तर्ज--आवाज दे के

आवाज देके हमे तुम बुलाओ
कि दर दर की ठोकर न हमको खिलाओ
आवाज दे के.....

1--बहारों के बदले,गमो ने है घेरा
उठाओ ये बगिया,लगाया क्यों डेरा
बहुत हो चुकी अब न हमको रूलाओ
आवाज दे के....

2--जियें भी तो कैसे,जिया भी न जाये
मिलन हो तुम्हारा ,जुदाई ना भाये
है नैया भवंर में किनारे लगाओ
आवाज दे के....

3--दिखाई जो मंजिल वो मंजिल कहां है
यहां तो है कांटे बहारे कहां है
जहां प्यार बरसे वहां ले के जाओ
आवाज दे के.....

Nijanand App